

बिलबिलाना अ.क्रि. (तद्.) 1. आकुल होना, घबड़ाना, छटपटाना, व्यथित होना, रोना, बिलखना 2. कीड़ों का रेंगना।

बिलहरा पुं. (तद्.) पान के बीड़े रखने का बाँस का संपुट।

बिलाई स्त्री. (तद्.) 1. मार्जारी, बिल्ली 2. कुएँ में गिरे बालटी वर्तन निकालने का काँटा 3. दरवाजा बंद करने की छिटकी।

बिलार पुं. (तद्.) बिलाव, विडाल, नर बिल्ली, मार्जार।

बिलावल पुं. (देश.) 'विलावल' नामक एक संगीत का राग जिसे रात के पहले पहर में गाया जाता है।

बिलावा पुं. (तद्.) दे. बिलार।

बिलियर्ड पुं. (अं.) लंबी स्टिक (छड़ियों) और तीन गेंदों से खेला जाने वाला एक विदेशी खेल (प्रायः इस खेल का प्रचलन सैन्य अधिकारियों में देखा जाता है) billiard

बिलिश पुं. (देश.) बडिश, बाँस की बनी लंबी बंशी में मछली फँसाने का काँटा।

बिलोना स.क्रि. (तद्.) 1. मथना, विलोडन करना जैसे- दही मथने को 'दही बिलोना' कहते हैं 2. चीजों को इधर-उधर कर देना 3. वि. जिसमें नमक न हो, बिना नमक का, अनोना, (विलोना खाना), सुंदरता या लावण्य रहित, बदरूप।

बिलौटा पुं. (तद्.) बिलाव, बिलार, बिल्ली जाति की नर संतान।

बिलौनी स्त्री. (तद्.) दही मथने का (मिट्टी का) पात्र।

बिल्ला पुं. (तद्.) 1. विडाल, बिलाव, बिलार पुं. (देश.) 2. व्यक्ति की पहचान बताने के लिए कमीज, कोट आदि की बाहरी जेब पर सिला या टाँका गया नाम लिखा/चित्र बना कपड़ा/धातु या प्लास्टिक का छोटा टुकड़ा, विशेष सम्मेलन/अधिवेशन में भी प्रतिभागियों को बिल्ले लगाए जाते हैं, इसे बैच भी कहते हैं batch

बिल्ली स्त्री. (तद्.) 1. चार पैरों वाला छोटे आकार का घरेलू जीव, जो चूहों का शिकार करता है 2. घर के दरवाजों की किवाड़ों को खोलने और बंद करने के लिए लगी सिटकनी मुहा. बिल्ली का रास्ता काटना- किसी अशुभ की आशंका होना; बिल्ली कुत्ते जैसा लड़ना- बुरी तरह झगड़ा करना; बिल्ली के गले में घंटी बाँधना- काम का सबसे कठिन अंश पूरा करना; बिल्ली के भाग्य से छींका टूटना-प्रयास के बिना ही अभीष्ट काम हो जाना; बिल्ली को छीछेंडों के खवाब आना- मन में स्वभाव के अनुसार विचार आना।

बिल्लौर पुं. (अर.) स्फटिक का पत्थर, चमकदार पारदर्शी श्वेत मणि।

बिल्व पुं. (तत्.) बेल का पेड़, बेल का फल, बिल्व फल, बेल के पेड़ का फल, फूल, पत्ते, गूदा, लकड़ी बहुत उपयोगी औषधीय गुणों से भरपूर हैं, शिवरात्रि के महापर्व पर शिवजी के ऊपर बिल्व पत्र चढ़ाना लाभप्रद माना गया है।

बिवाई स्त्री. (तद्.) पैर का एक रोग जिसमें एड़ी तथा पैर की उंगलियों के नीचे का चमड़ा फट जाता है और पीड़ा होती है लोको. जा के पैर न फटी बिवाई सो क्या जानें पीर पराई- स्वयं अनुभूत पीड़ा से ही दूसरे को हो रहे कष्ट का आभास होता है।

बिशप पुं. (अं.) ईसाईयों के विशाल क्षेत्र के गिरजे का पूजनीय पादरी। bishop

बिसरना अ.क्रि. (तद्.) विस्मृत करना, भूल जाना, विसर जाना।

बिसात स्त्री. (अर.) 1. बिस्तर, फैलाकर रखा जाने वाला बिछौना 2. चादर, चटाई, दरी आदि बिछौना जिसपर दुकानदार बिक्री के लिए वस्तुएँ रखते हैं 2. शतरंज खेलने के लिए खाने/घर बना कपड़ा या तख्ता 4. स्वकीय धन या पूँजी 5. सामर्थ्य, बल, पहुँच जैसे- जितनी बिसात उतनी ही बात मुहा. बिसात उलटना- स्थिति या दिशा बदल जाना।